दक्षिण-पूर्वी और दक्षिणी एशिया में भारतीय संस्कृति

[इन्डोनीसिया, मलायीशिया, कम्बोडिया, विएत-नाम, लाओस, सियाम, फिलिप्पीन, बरमा और श्रीलंका]

Manohar Memorial College
LIBRARY
Accession No. 3557
Classification
FATEHABAD (HISSAR)

लेखक

सत्यकेतु विद्यालंकार डी. लिट. (पेरिस)

(गोविन्दबल्लभ पन्त पुरस्कार, मोतीलाल नेहरू पुरस्कार तथा मंगलाप्रसाद पारितोषिक द्वारा सम्मानित)

प्रकाशक

श्री सरस्वती सदन, मसूरी

विक्रय केन्द्र—ए-१/३२ सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली-१६

प्रथम संस्करण—१९७४] [मूल्य २५ रुपये

विषय-सूची

विषय	पृष्ठ
प्रस्तावना	३
सहायक ग्रन्थ	४
विषय-सूची	५
पहला अध्याय—विषय-प्रवेश	**९**
(१) भारत के सांस्कृतिक साम्राज्य का क्षेत्र—दक्षिण-पूर्वी एशिया।	९
(२) सुवर्ण भूमि और सुवर्णद्वीप।	११
(३) दक्षिण-पूर्वी एशिया के विविध प्रदेशों का भारतीय साहित्य में। उल्लेख।	१५
(४) सुवर्णभूमि जाने-आने के मार्ग।	१८
(५) भारतीय उपनिवेशों का प्रारम्भ।	२०
(६) सुवर्णभूमि के पुराने निवासी और भारत के साथ उनका सम्बन्ध	२१
दूसरा अध्याय—मलायीसिया और इन्डोनीसिया में भारतीय उपनिवेशों की स्थापना	**२७**
(१) मलाया प्रायद्वीप के भारतीय उपनिवेश।	२७
(२) मलाया प्रायद्वीप के पुरातत्त्व सम्बन्धी अवशेष।	३१
(३) सुमात्रा के प्राचीन भारतीय उपनिवेश।	३४
(४) जावा में भारतीय उपनिवेशों का प्रारम्भ।	३६
(५) जावा के प्राचीन अभिलेख।	४१
(६) बोर्नियो के प्राचीन भारतीय उपनिवेश।	४३
(७) बाली, सेलेबस और फिलिप्पीन में भारतीय संस्कृति का सूत्रपात।	४७
(८) मलायीसिया और इन्डोनीसिया में भारतीय संस्कृति का प्रथम। युग।	४९
तीसरा अध्याय—शैलेन्द्र साम्राज्य का उत्थान और पतन	**५४**
(१) शैलेन्द्र साम्राज्य के इतिहास की सामग्री	५४
(२) शैलेन्द्र वंश का उद्भव तथा उसका प्रधान केन्द्र	६०
(३) शैलेन्द्र साम्राज्य का उत्थान	६४
(४) चोल साम्राज्य से संघर्ष और शैलेन्द्र साम्राज्य का पतन	६९

चौथा अध्याय—जावा के प्राचीन हिन्दू (भारतीय) राज्य [illegible]

(१) मातराम राज्य । [illegible]
(२) पूर्वी जावा का उत्कर्ष—सिन्दोक और उसके उत्तराधिकारी [illegible]
(३) केदरी राज्य (१०४२-१२२२) । [illegible]
(४) सिंहसारि राज्य (१२२२-१२९२) । [illegible]
(५) मजपहित (बिल्वतिक्त) के साम्राज्य का उत्कर्ष काल । ८७
(६) मजपहित साम्राज्य का पतन । ९१
(७) इण्डोनेशिया के अन्य हिन्दू राज्य । ९६

पांचवां अध्याय—इण्डोनेशिया के क्षेत्र में भारतीय सभ्यता और संस्कृति १०१

(१) साहित्य । १०१
(२) धार्मिक दशा । १०५
(३) पुरातत्व अवशेष तथा कला । ११०
(४) शासन पद्धति । ११७
(५) सामाजिक जीवन । ११९

छठा अध्याय—कम्बोडिया के क्षेत्र में भारतीय उपनिवेशों की स्थापना १२१

(१) फूनान का राज्य । १२१
(२) फूनान में भारतीय संस्कृति । १२६
(३) कम्बुज राज्य की स्थापना और उत्कर्ष । १२९
(४) कम्बुज के इतिहास का अन्धकार युग । १३४
(५) कम्बुज देश में भारतीय संस्कृति का प्रभाव । १३६

सातवां अध्याय—कम्बुज देश का राजनीतिक इतिहास १४१

(१) कम्बुज की स्वतन्त्रता की पुनः स्थापना । १४१
(२) अङ्कोर का उत्कर्ष । १४५
(३) शक्तिशाली कम्बुज साम्राज्य । १५५
(४) कम्बुज राज्य का ह्रास । १६९

आठवां अध्याय—कम्बुज देश की सभ्यता और संस्कृति १७२

(१) शासन व्यवस्था । १७२
(२) सामाजिक जीवन । १७६
(३) धार्मिक दशा । १८३
(४) मठ एवं आश्रम । १९५
(५) भाषा, शिक्षा तथा साहित्य । १९७
(६) आर्थिक जीवन । २०३

नौवां अध्याय—कम्बुज देश में भारतीय संस्कृति के मूर्त अवशेष २०७

(१) अभिलेख । २०७
(२) अङ्कोर क्षेत्र के अवशेष । २०९
(३) कम्बुज की कला का क्रमिक विकास । २१४
(४) मूर्तिकला । २१८

दसवां अध्याय—वियतनाम के क्षेत्र में चम्पा का राज्य और उसका राजनीतिक इतिहास २२१

(१) चम्पा का राज्य । २२१
(२) गंगाराज के वंशजों का शासन । २२६
(३) पाण्डुरंग वंश । २३०
(४) भृगुवंश । २३२
(५) अव्यवस्था का काल और अनाम के आक्रमण । २३४
(६) हरिहरवर्मा चतुर्थ और चम्पा में नई शक्ति का संचार । २४०
(७) चम्पा और कम्बुज देश में संघर्ष । २४२
(८) मंगोलों से संघर्ष । २४६
(९) अनाम से संघर्ष और चम्पा का उत्कर्ष । २५०
(१०) चम्पा का पतन और अनाम की विजय । २५३

ग्यारहवां अध्याय—चम्पा पर भारत का सांस्कृतिक प्रभाव २५६

(१) शासन व्यवस्था । २५६
(२) सामाजिक जीवन । २६१
(३) भाषा और साहित्य । २६६
(४) धर्म । २६७
(५) चम्पा में भारतीय संस्कृति के मूर्त अवशेष । २७[illegible]

बारहवां अध्याय—सियाम या थाईलैण्ड २७[illegible]

(१) सियाम में भारतीय उपनिवेशों का सूत्रपात २७[illegible]
(२) थाई जाति के प्राचीन राज्य २८[illegible]
(३) सियाम के थाई राज्य २८[illegible]

तेरहवां अध्याय—बरमा २८[illegible]

(१) बरमा में भारतीय उपनिवेशों का सूत्रपात २[illegible]
(२) बरमा में बौद्ध धर्म का प्रचार २[illegible]
(३) बरमा के प्राचीन भारतीय राज्य २[illegible]
(४) बरमा पर भारतीय संस्कृति का प्रभाव ३[illegible]

चौदहवां अध्याय—श्रीलंका ३०४

(१) सिंहल राज्य की स्थापना ३०४
(२) लंका में बौद्ध धर्म का प्रचार ३०५
(३) लंका की प्रगति ३०७
(४) लंका पर भारत का सांस्कृतिक प्रभाव ३१५

चित्र-सूची

(१) चण्डी कलसन (मध्य जावा) का एक प्राचीन मन्दिर।
(२) दिएङ् (जावा) में चण्डी भीम का मन्दिर।
(३) बुद्ध अमोघ शक्ति की मूर्ति (बरोबदूर, जावा)
(४) पूर्वी जावा का एक शिव मन्दिर।
(५) कोहकेर (कम्बोडिया) से प्राप्त विष्णु की मूर्ति का शीर्ष भाग।
(६) देवराज देवता की मूर्ति (कम्बोडिया से प्राप्त)।
(७) कम्बोडिया से प्राप्त अप्सरा की कांस्यमूर्ति।
(८) जैय्या से प्राप्त बोधिसत्त्व की मूर्ति।
(९) पगान (बरमा) का प्रसिद्ध आनन्द विहार।